>

Title: Need to implement Rajiv Gandhi Rural Electrification Scheme.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): चेयरमैन साहब, आपने मुझे यहां से बोलने की जो इजाजत दी है, उसके लिए मैं आपका शुक्रिया अदा करता हूं।

आप जानते हैं और हम सारे एम.पीज़. भी जानते हैं कि एक मई, 2005 को राजीव गांधी विद्युतीकरण स्कीम लागू हुई। उसे अच्छे ढंग से बनाया गया और उसका बड़े अच्छे ढंग से इनोगुरेशन हुआ। उसमें यह कहा गया कि हम 2009 को पूरे देश में बिजली देने के लिए कमिटेड होंगे। उसमें यहां तक तय हुआ कि 1.25 लाख गांव जो बिजली के बगैर हैं, उनको भी बिजली दी जायेगी। साथ में यह भी कहा गया कि जो सात से आठ करोड़ हाउसहोल्ड होंगे, उनके घरों में बत्ती लगाई जायेगी।

मैं जनाब से कहना चाहता हूं, मैं अपनी ही कांस्टीट्वेंसी में आपको ले जाता हूं, अगर मिनिस्ट्री की वैबसाइट को देखें तो उसमें कितना डिफरेंस है, आप देखेंगे कि जब हमारी डी.पी.आर. बनाई गई, हमारे यहां जो इमरजेंसी बनी हुई है, आप हमारे हालात को देखें तो उसी तरह से देखें। 104 करोड़ रुपये की डी.पी.आर. बनी, उसके बाद उसको 76 करोड़ रुपये पर रिड्यूस करके आ गये। फिर अब फाइनलाइज़ किया तो 74.77 करोड़ पर पहुंच गये, लेकिन जब पैसे सैंक्शन किये तो आप हैरान होंगे कि 28.33 करोड़ रुपये किये। आप मुझे बताओ कि कैसे आप बिजली दे पाओगे? आपने यह क्या सिस्टम बनाया है और उससे क्या हुआ? उसमें यह भी किया था कि 24 घंटे बिजली दी जायेगी, चाहे शहरी क्षेत्र हो या विलेज हों, अर्बन और रूरल एरियाज़, दोनों में बराबर 24 घंटे बिजली दी जायेगी, लकिन मेरी कांस्टीट्वेंसी में और पूरी स्टेट में इतना कटाव लगा, यह हाल बना। मैं सिर्फ एक डिस्ट्रिक्ट की बात सुना रहा हूं। मेरे यहां 6 जिले हैं। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इन्होंने यह वायदा किया कि प्राइमरीली हम इर्रीगेशन भी देंगे। इसमें लिखा गया है, मैंने पूरी स्कीम पढ़ी थी, इसमें यह भी लिखा गया कि हम उन जगहों पर भी बिजली देंगे, जिन गांवों में खादी उद्योग हैं, जो छोटे हैं, सब को बिजली देंगे, लेकिन एक भी पोल इन जगहों पर नहीं लगा, जिन जगहों का एनाउंस किया गया था। मैं यह कहना चाहता हूं कि...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपकी डिमांड क्या है, वह बोलिये।

चौधरी लाल सिंह: मेरा मसला यह है कि 104 करोड़ रुपये से जो हमारा इलैक्ट्रीफिकेशन होना था, वह 28 करोड़ पर पहुंच गया। मैं यह कहना चाहता हूं कि ये वे गांव छोड़ देंगे, जिनकी एल.टी. काट दी गई। अब उन इलाकों का क्या बनेगा? साथ में जुल्म यह हुआ कि इन्होंने एन.टी.पी.सी., एन.एच.पी.सी. और पी.जी.सी.आई.एल., इन आर्गेनाइजेशंस को पूरा हिन्दुस्तान सौंप दिया।...(व्यवधान)

मुझे सिर्फ दो मिनट लगेंगे। आप हैरान होंगे कि एन.एच.पी.सी. को जो काम दिया गया, वह इसलिए दिया गया कि वे बड़े अव्वल दर्जे का काम करेंगे, लेकिन उन्होंने एल.एण्डटी. को वह काम दे दिया और एल.एण्डटी. ने वह काम आगे कॉमन आदमी को दे दिया। आप हैरान होंगे कि वहां कॉमन लोगों को काम दे दिया गया। आप मुझे बताओ, जिसने टेंडर लिया, उसने उसे नहीं किया और आगे बेच दिया। अल्टीमेटली क्या हुआ? हमारे इलाकों में बिजली का बुरा हाल हुआ। मेरी जनाब से सबमिशन है कि यह टोटल पैसा और जो इलाके रह गए, जहां सब स्टैंडर्ड काम हुआ, मैं कहना चाहता हूं कि उस ओर ध्यान दिया जाए।